युगाब्द 5127

भारतीय शिक्षण मंडल

BHARATIYA SHIKSHAN MANDAL

।। सा विद्या या विमुक्तये ।।

ध्येय श्लोक

तत्कर्म यन्न बन्धाय सा विद्या या विमुक्तये ।
आयासायाऽपरं कर्म विद्यान्या शिल्पनैपुणम् ।।

श्री विष्णुपुराण (१-१९-४१)

अर्थात् : कर्म वही है जो बंधन में ना बाँधे, विद्या वही है जो मुक्त करे। अन्य सभी कर्म व विद्याएँ मात्र श्रमदायक हैं।

ध्येय वाक्य

राष्ट्रीय पुनरुत्थान के लिए संपूर्ण शिक्षा की नीति, पाठ्यक्रम तथा प्रविधि में भारतीयता को समाहित करने हेतु अनुसंधान, प्रबोधन, प्रशिक्षण, प्रकाशन और संगठन करना भारतीय शिक्षण मंडल का ध्येय है।

भारतीय शिक्षण मंडल - एक परिचय

(युगाब्द 5127)

वैचारिक अधिष्ठान

- भारत की सांस्कृतिक, दार्शनिक व ऐतिहासिक धरोहर से प्रेरित वैश्विक जीवन दृष्टि।

भारतीयता के चार सूत्र

- सर्वं खल्विदं ब्रह्म – एकात्मता
- सर्वे भवन्तु सुखिनः – संवेदनशीलता
- तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः – न्यूनतम आवश्यकता
- योगः कर्मसु कौशलम्– परिपूर्णता

संगठन

- राष्ट्रीय पुनरुत्थान हेतु विद्यार्थी, शिक्षक, संस्थाचालक एवं शिक्षा में रुचि रखने वाले बंधु-भगिनियों का राष्ट्रीय, वैचारिक एवं शैक्षणिक संगठन।
- भारत के वैचारिक अधिष्ठान को विश्वव्यापी बनाने हेतु 'योग्य बौद्धिक योद्धा' तैयार करने वाला अखिल भारतीय संगठन।
- समर्थ, समृद्ध, समरस व श्रेष्ठ भारत के निर्माण हेतु भारतीय जीवन दृष्टि से प्रेरित व भविष्योन्मुखी शिक्षा प्रणाली का सृजन करने वाला संगठन।

संगठनात्मक स्वरूप एवं वर्तमान स्थिति

(युगाब्द 5127)

अखिल भारतीय कार्यकारिणी

↑

प्रांत कार्यकारिणी

↑

जिला कार्यकारिणी

↑

विश्वविद्यालय कार्यकारिणी

↑

मंडल एवं अध्ययन समूह

कुल प्रांत	45
कार्ययुक्त प्रांत	45
कार्यकारिणी युक्त प्रांत	39
कुल जिले	797
कार्ययुक्त जिले	652
कुल मंडल	846

संगठन का विकासपथ

(युगाब्द 5127)

- **1969** – रामनवमी के पावन अवसर पर, युगाब्द 5071 (27 मार्च, 1969) को मुंबई में संगठन की स्थापना।
- **1969** – अप्रैल19 को मुंबई चेरिटी कमिश्नर से पंजीयन क्रमांक F-1738 प्राप्त हुआ।
- **1977** – प्रथम अखिल भारतीय बैठक में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' का प्रारूप निर्माण प्रारंभ।
- **1979** – दिल्ली में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर अखिल भारतीय संगोष्ठी।
- **1986** – मई 5 को प्रतिनिधि मंडल द्वारा भारत की संसद के समक्ष शिक्षा नीति से संबंधित एक प्रारूप की प्रस्तुति।
- **1992** – *अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (ए.बी.आर.एस.एम.)* का उदय शिक्षण मंडल से हुआ।
- **1993** – शालेय-प्रकल्प तथा महिला प्रकोष्ठ के नाम से नवीन गतिविधियों का शुभारंभ।
- **2000** – कानपुर में प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन।
- **2007** – विशाखापट्टनम में द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन।
- **2009** – वार्षिक पत्रिका 'दर्शन' का प्रकाशन प्रारंभ।
- **2012** – नागपुर में तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन।
- **2015** – ग्वालियर में आयोजित चौथे राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी जी द्वारा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप पर गहन विमर्श।
- **2016** – नागपुर में RFRF की स्थापना।
- **2017** – 'भारत बोध' पर नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा।
- **2017** – विस्तारक योजना प्रारंभ।

संगठन का विकासपथ

(युगाब्द 5127)

- **2018** – अप्रैल 28 से 30 तक उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय विराट गुरुकुल सम्मेलन का आयोजन।
- **2018** – सितंबर 29 को नई दिल्ली में आयोजित शैक्षिक नेतृत्व की प्रथम संगोष्ठी का उद्घाटन मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा।
- **2018** – नवंबर माह में फरीदाबाद में पाँचवा राष्ट्रीय अधिवेशन।
- **2019** – फरवरी माह में हैदराबाद में आयोजित 'International Conference on Development Discourse' का उद्घाटन तत्कालीन महामहिम उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू जी द्वारा।
- **2019** – जुलाई 27 को ए.आई.सी.टी.ई., यू.जी.सी. तथा इग्नू के संयुक्त तत्त्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर शैक्षिक नेतृत्व की द्वितीय संगोष्ठी आयोजित। तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक जी की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति।
- **2019** – ध्येय वाक्य का प्रयोग प्रारंभ।
- **2020** – काशी प्रांत से संयोगी शिविर का परंपरागत आयोजन प्रारम्भ।
- **2021** – जनवरी 21 को नीति आयोग के संयुक्त तत्त्वावधान में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर शैक्षिक नेतृत्व की तृतीय संगोष्ठी का उद्घाटन नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार जी द्वारा। इसके अनुवर्तन में देशभर में 586 आनंदशालाएँ आयोजित।
- **2022** – अप्रैल 23 से 24 तक 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर नागपुर में आयोजित शैक्षिक नेतृत्व की चतुर्थ संगोष्ठी का उद्घाटन भारत के माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी द्वारा।
- **2022** – अगस्त 2022 में उत्तराखंड के भीमताल में संयोगी शिविर का आयोजन।
- **2022** – नवंबर11 से 13 तक आयोजित 'अखिल भारतीय युवा शोधवीर समागम' का उद्घाटन मा. रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा।
- **2023** – जून 2023 में उत्तर बिहार प्रांत के वैशाली जिले में प्रांत-स्तरीय संयोगी शिविर का आयोजन।
- **2023** – 'आत्मवत् सर्वभूतेषु' के ध्येय के साथ दिल्ली प्रांत द्वारा जून माह में 21 दिवसीय अनुभूति शिविर का परंपरागत आयोजन प्रारम्भ।

संगठन का विकासपथ

(युगाब्द 5127)

- 2023 – सितंबर माह में भोपाल में निजी विश्वविद्यालय विनियमन नीति हेतु राष्ट्रीय स्तर की आनंदशाला का आयोजन।
- 2023 – दिसंबर माह में प्रथम अखिल भारतीय अधिकारी अभ्यास वर्ग जयपुर में आयोजित।
- 2024 – फरवरी माह में दिल्ली प्रांत के शैक्षिक प्रकोष्ठ तथा विज्ञान भारती के सहयोग से कक्षा नवीं से बारहवीं तक के पाठयक्रम में ड्रोन तकनीकी को सम्मिलित करने हेतु विस्तृत पाठ्यक्रम का निर्माण।
- 2024 – मार्च माह में भारतीय भाषा सम्मेलनों का विधिवत आयोजन प्रारंभ।
- 2024 – मई माह में विदर्भ प्रान्त द्वारा रामटेक, महाराष्ट्र में अनुभूति शिविर का आयोजन।
- 2024 – जून माह में दिल्ली प्रांत द्वारा देवप्रयाग, उत्तराखंड में अनुभूति शिविर का आयोजन।
- 2024 – जून माह में मंडल कार्यविभाग, भारतीय ज्ञान संपदा गतिविधि, शिक्षक-शिक्षा गतिविधि, उच्च शिक्षा गतिविधि, तथा शिक्षा एवं तंत्रज्ञान गतिविधि का शुभारंभ।
- 2024 - नवंबर माह में शोध पत्रिका 'प्रज्ञानम्' का प्रथम अंक प्रकाशित।
- 2024 – नवंबर 15 से 17 तक आयोजित 'विजन फॉर विकसित भारत (विविभा-2024): अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन' का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प. पू. सरसंघचालक डॉ. मोहनजी भागवत द्वारा। 1400 शोधार्थियों की सहभागिता।
- 2025 - फरवरी 7 को प्रतिनिधि मंडल द्वारा यू.जी.सी. अध्यक्ष के समक्ष नवीन यूजीसी ड्राफ्ट पॉलिसी से संबंधित एक सुझाव पत्रक की प्रस्तुति।
- 2025 – मार्च माह में ए.आई.सी.टी.ई. के सहयोग से 1200+ विविभा शोधार्थियों हेतु 75,000+ प्रतिष्ठित उद्योगों एवं शोध संस्थानों में इंटर्नशिप के अवसर।
- 2025 – जून माह में भारतीय भाषा गतिविधि का शुभारंभ।

भारतीय शिक्षा दर्शन

(युगाब्द 5127)

उद्देश्य

- स्वस्थ व्यक्ति निर्माण → स्वस्थ कुटुंब निर्माण → स्वस्थ समाज निर्माण → स्वस्थ राष्ट्र निर्माण
- स्वस्थ अर्थात् निर्भय व्यक्तियों का निर्माण ही शिक्षा का उद्देश्य है।
- प्रत्येक व्यक्ति को अपनी असीम क्षमताओं का आभास कराते हुए, अपनी अद्वितीयता को प्रकट करने के लिए उद्यत करना ही शिक्षा का उद्देश्य है।
- शिक्षा अधिगम के सप्त-सूत्र : (1) बलिष्ठ शरीर, (2) देश भक्ति से ओत-प्रोत भावना, (3) पवित्र एवं दृढ़ मन, (4) सृजनशील बुद्धि, (5) आध्यात्मिकता से परिपूर्ण, (6) समाज हित का जीवन, (7) आनंद से संप्रेरित

नीति

- विद्यार्थी केंद्रित और शिक्षक आधारित
- भारतीय ज्ञान संपदा से ओत-प्रोत – आधुनिक तंत्र ज्ञान से युक्त – भारतीय भाषाओं की प्रधानता
- गुरुकुल शिक्षा प्रविधि से प्रेरित व आधुनिक कौशल समावेशी
- मुक्त करी - युक्त करी - अर्थ करी

पाठ्यक्रम

- व्यक्ति के समग्र विकास हेतु ऐसा अधिगम सुनिश्चित करना, जो कि सरल से जटिल, ज्ञात से अज्ञात, और स्थानीय से वैश्विक (ब्रह्मांडीय) संदर्भों की ओर क्रमशः अग्रसर करते हुए अंतर्निहित ज्ञान को मन, वचन, तथा कर्म के द्वारा प्रकट करने में सहायक हो।

प्रविधि

- सिखाने के स्थान पर स्वयं सीखने के लिए प्रेरित करना, जिसमें शिक्षक की भूमिका एक मार्गदर्शक एवं उत्प्रेरक की होनी चाहिए।

संदर्भ : तैत्तिरीय उपनिषद, ब्रह्मानंदवल्ली | महर्षि अरविंद का शिक्षा दर्शन | धर्मपाल शिक्षा चिंतन

सप्त-सूत्री कार्यसूची

(युगाब्द 5127)

1. शिक्षा में भारतीय मूल्यों का समावेश
2. स्वतंत्रता के प्रामाणिक इतिहास को प्रोत्साहन
3. संस्कृत शिक्षा का प्रसार
4. इतिहास का वास्तविक अभिलेखन
5. कला एवं साहित्य में भारतीय ज्ञान का संरक्षण
6. भारतीय ज्ञान-विज्ञान परंपरा का पुनरुत्थान
7. स्वदेशी भाव का जागरण

प्रमुख कार्य व कार्यक्रम

(युगाब्द 5127)

कार्य-व्यवस्था	कार्य	कार्यक्रम
कार्यक्षेत्र → जिला	सदस्यता	छह वार्षिक उत्सव
कार्य स्थान → शिक्षा संस्थान	संपर्क	शैक्षणिक संगोष्ठियाँ
कार्य का आधार → मंडल व अध्ययन समूह	साप्ताहिक मंडल	आनंदशालाएँ
	मासिक अध्ययन समूह	निमित्त-विशेष कार्यक्रमों का आयोजन
	प्रशिक्षण	कार्यकर्ता मिलन

कार्यप्रणाली के पाँच सोपान

(युगाब्द 5127)

1. अनुसंधान
2. प्रबोधन
3. प्रकाशन
4. प्रशिक्षण
5. संगठन

कार्यप्रणाली के पाँच सोपान

अनुसंधान	**भारतीय प्रविधियों को आधार बनाकर, प्रत्येक विषय में भारत-केंद्रित शोध तथा भारतीय ज्ञान-संपदा का वर्तमान सन्दर्भों में पुनः प्रतिष्ठापन** • शोध आनंदशालाएँ • विश्वविद्यालयों में अध्ययन समूह
प्रबोधन	**शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक, संस्था चालक, नीति निर्धारक व समाज के प्रत्येक व्यक्ति में भारतीय दृष्टि का प्रबोधन** • संवाद, सम्मेलन और संगोष्ठियाँ
प्रशिक्षण	**परिवर्तन की दिशा में प्रभावी कार्य हेतु चयनित कार्यकर्ताओं का सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण** • 'शिक्षक स्वाध्याय' • 'संस्थाचालक परामर्श' • 'अभिभावक उद्बोधन' • 'विद्यार्थी विकसन'

(युगाब्द 5127)

कार्यप्रणाली के पाँच सोपान

प्रकाशन	**भारतीय विमर्श को स्थापित करने हेतु शाश्वत साहित्य का प्रकाशन।** • वार्षिक स्मारिका, संदर्भ ग्रंथ, मूल्यवर्धक पुस्तिकाएँ, शोध पत्रिकाएँ, समाचार पत्रिका, अनूदित ग्रंथ एवं अन्य साहित्य का विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रकाशन • शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए संदर्भ पुस्तकों सहित समग्र साहित्य का प्रकाशन
संगठन	**विभिन्न सोपानों से संबंधित कार्यों को सुदृढ़ रूप से संचालित करने हेतु सक्रिय, सकारात्मक एवं समर्पित कार्यकर्ताओं का निर्माण** • नियमित मंडलों तथा अध्ययन समूहों का संचालन • आनंदशाला, व्याख्यानमाला व संगोष्ठी जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन • परिचायक, प्रबोधक, प्रशिक्षक तथा परिधारक जैसे चतुर्स्तरीय अभ्यास वर्गों का आयोजन

(युगाब्द 5127)

गतिविधि

1. महिला गतिविधि	7. प्रकाशन गतिविधि
2. गुरुकुल-शिक्षा गतिविधि	8. युवा गतिविधि
3. विद्यालय-शिक्षा गतिविधि	9. भारतीय ज्ञान संपदा गतिविधि
4. उच्च-शिक्षा गतिविधि	10. शिक्षा एवं तंत्रज्ञान गतिविधि
5. शैक्षणिक गतिविधि (पाठ्यक्रम संरचना एवं विषय-वस्तु निर्माण)	11. शिक्षक-शिक्षा गतिविधि
6. अनुसंधान गतिविधि	12. भारतीय-भाषा गतिविधि

(युगाब्द 5127)

गतिविधि

1. महिला गतिविधि	• मातृ शक्ति को जीवन शिक्षा के महत्व हेतु जागरूक करते हुए मातृकुल परियोजना को प्रभावी बनाना • परिवार को शिक्षा और संस्कार का आधार बनाकर माताओं की भूमिका को सशक्त करते हुए गृह गुरुकुल परिकल्पना को सशक्त करना • महिला विषयक शोध कार्य को बढ़ावा देना और भारतीय स्त्री विमर्श को प्रस्थापित करना • शिक्षा और संस्कार के माध्यम से किन्नर समुदाय को समाज की मुख्य धारा के अभिन्न अंग के रूप में स्थापित करना
2. गुरुकुल-शिक्षा गतिविधि	• आदर्श भारतीय गुरुकुल प्रणाली को वैश्विक मुख्यधारा में स्थापित करना • वर्तमान गुरुकुलों को युगानुकूल स्वरूप में पुनः प्रतिष्ठित करना • नवीन गुरुकुलों की स्थापना में सहयोग एवं प्रशिक्षण • गुरुकुल-शिक्षा की गुणवत्ता संवर्धन के लिए आदर्श आचार्य निर्माण हेतु अल्पकालीन एवं स्थाई वर्गों का संचालन
3. विद्यालय-शिक्षा गतिविधि	• विद्यालयों को एकात्म एवं समग्र शिक्षा प्रदान करने के समर्थ साधन के रूप में विकसित करना • पाठ्यक्रम, प्रविधि, नवाचार व नीति-निर्माण में भारतीय जीवन-दृष्टि का समावेश • शिक्षकों, अभिभावकों, प्रबंधकों व विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता संवर्धन प्रशिक्षण • भारतीय जीवन-दृष्टि आधारित आनंदशालाओं एवं संवाद-सत्रों का आयोजन • राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन

(युगाब्द 5127)

गतिविधि

(युगाब्द 5127)

4. उच्च-शिक्षा गतिविधि	• भारतीय चिंतन व शोध पर आधारित उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करना • पाठ्यक्रम, प्रविधि, नवाचार व नीति-निर्माण में भारतीय जीवन-दृष्टि का समावेश • आनंदशालाओं व संगोष्ठियों के माध्यम से मूल्यनिष्ठ शैक्षणिक वातावरण का निर्माण • राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन
5. शैक्षणिक गतिविधि	• भारत-केंद्रित एवं भारतीय ज्ञान संपदा से प्रेरित पाठ्यसामग्री एवं पूरक पाठ्यक्रमों का निर्माण और समीक्षा • नवीन व पूरक पाठ्यक्रमों के अनुरूप शिक्षकों का प्रशिक्षण • विद्यालय शिक्षासे उच्च शिक्षा तक पाठ्यक्रम निर्माण समितियों का गठन • नवीन पाठ्यपुस्तकों की रचना एवं विभिन्न संस्थानों में कार्यान्वयन
6. अनुसंधान गतिविधि	• भारतीय प्रविधियों पर आधारित भारत-केंद्रित शोध को प्रोत्साहन • भारतीय ज्ञान-संपदा को समकालीन सन्दर्भों में पुनः प्रतिष्ठित करना • शोध आनंदशालाओं व शोधपत्र लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं में शोधवृत्ति का विकसन

गतिविधि

7. प्रकाशन गतिविधि	• भारतीय दृष्टिकोण पर आधारित मौलिक साहित्य व युगानुकूल पाठ्यसामग्री का प्रकाशन • समाज में भारतीयता के वैचारिक अधिष्ठान की पुनर्स्थापना हेतु विभिन्न शैक्षणिक व सांस्कृतिक विषयों पर आधारित पुस्तकों का प्रकाशन • शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए संदर्भ पुस्तकों सहित समग्र साहित्य का प्रकाशन
8. युवा गतिविधि	• राष्ट्रभाव से प्रेरित बौद्धिक योद्धाओं का निर्माण • शोध, लेखन व विवेचन में तार्किक क्षमता का विकास • युवाओं का प्रशिक्षण तथा उन्हें राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित करना
9. भारतीय ज्ञान संपदा गतिविधि	• भारतीय ज्ञान संपदा को समाज के व्यवहार में उतारने हेतु संरक्षण, संवर्धन एवं सरलीकरण • वर्तमान चुनौतियों के समाधान हेतु भारतीय ज्ञान संपदा का सक्षम एवं प्रभावी प्रयोग • शैक्षणिक संस्थानों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान संपदा का समावेश करने हेतु प्रेरित करना • भारतीय ज्ञान संपदा आधारित पुस्तकों का निर्माण

(युगाब्द 5127)

गतिविधि

(युगाब्द 5127)

10. शिक्षा एवं तंत्रज्ञान गतिविधि	• भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक तंत्रज्ञान से सुसंगत कर युगानुकूल बनाना • तकनीकी प्रशिक्षण एवं नवाचारों के माध्यम से शैक्षणिक गुणवत्ता में वृद्धि • आधुनिक तंत्रज्ञान का उपयोग करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का माध्यम
11. शिक्षक-शिक्षा गतिविधि	• शिक्षकों में भारतीय दृष्टिकोण का विकास • शिक्षकों को विषय-ज्ञान के साथ-साथ आचरण केंद्रित एवं बहुविषयक आधारित प्रशिक्षण के द्वारा समग्र विकास का साधन बनाना • भारतीय कार्य संस्कृति को शिक्षा संस्थानों के विकास का माध्यम बनाना • स्पर्धा से सहयोग व सहयोग से त्याग की ओर जाने की मानसिकता का निर्माण
12. भारतीय भाषा गतिविधि	• भारतीय भाषाओं में ज्ञान-सृजन, अनुवाद व प्रकाशन को प्रोत्साहित करना • शिक्षा व शोध में भारतीय भाषाओं के प्रयोग हेतु शिक्षक व विद्यार्थियों को प्रेरित करना • भाषा-संवर्धन हेतु कार्यशालाओं, संगोष्ठियों व संवादों का आयोजन

कार्य विभाग

1. व्यवस्था विभाग
   - 1.1 कोष
   - 1.2 कार्यालय
   - 1.3 अभिलेखागार
   - 1.4 साहित्य विक्रय

2. मंडल कार्य विभाग

3. विश्वविद्यालय कार्य विभाग

4. संपर्क विभाग

5. प्रचार विभाग

(युगाब्द 5127)

कार्य विभाग

(युगाब्द 5127)

1. व्यवस्था विभाग	**कोष** • आर्थिक गतिविधियों का पारदर्शी संचालन • कोष संग्रहण, लेखांकन, व्यय नियोजन • अर्थ संकलन (बजट) व वित्तीय नियंत्रण
	कार्यालय • संचार और पत्राचार संबंधित अभिलेखों का संकलन एवं संरक्षण • प्रवास और पत्राचार का समन्वय • पुराने अभिलेखों का वर्गीकरण, डिजिटलीकरण एवं सुरक्षित संग्रहण • संगठनात्मक एवं शैक्षणिक कार्यों का सुव्यवस्थित प्रबंधन व अभिलेखन
	अभिलेखागार • सभी गतिविधियों व कार्यविभागों के प्रमुखों के साथ समन्वय कर उल्लेखनीय कार्य, कार्यक्रमों, एवं प्रमुख व्यक्तियों के साक्षात्कार से संबंधित अभिलेख (लेखन, फोटो, ऑडियो,वीडियो एवं समाचार) का भौतिक एवं डिजिटल संग्रहण • अभिलेखों का वर्गीकरण • अभिलेखों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करना
	साहित्य विक्रय • संगठन द्वारा प्रकाशित साहित्य का भौतिक व डिजिटल स्वरूप में विक्रय • प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं के माध्यम से संगठन के साहित्य की उपलब्धता एवं विक्रय • पुस्तक प्रदर्शनियों, संगोष्ठी व अन्य कार्यक्रमों में साहित्य की उपलब्धता • सभी ग्रंथालयों में साहित्य की उपलब्धता

कार्य विभाग

2. मंडल कार्य विभाग	• मंडलों की स्थापना व संचालन • 5+5+5+5 के सूत्र का परिणामोन्मुख क्रियान्वयन तथा 2+2+2+2 का समुचित अनुपालन • मंडल संयोजकों का मासिक प्रशिक्षण
3. विश्वविद्यालय विभाग	• विश्वविद्यालय इकाइयों का गठन • शैक्षणिक गतिविधियों का समन्वय और परिणामकारी क्रियान्वयन • विश्वविद्यालयों को द्वीप से दीप की ओर ले जाने का प्रयास
4. संपर्क विभाग	• समाज व संगठनों से संवाद-संपर्क • नए व्यक्तियों को संगठन से नित्य-निरंतर जोड़ने की प्रक्रिया को सुदृढ़ करना • समाज के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों एवं कार्यकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करना
5. प्रचार विभाग	• भारतीय शिक्षा, संस्कृति और शोध में भारतीयता की मूल अवधारणा का प्रभावी प्रचार-प्रसार • परम्परागत एवं डिजिटल संचार माध्यमों से विचारधारा की व्यापक और लक्षित पहुँच • जन-सामान्य तक प्रामाणिक जानकारी पहुँचाना • समाज में भारतीय विमर्श को स्थापित करना

(युगाब्द 5127)

(युगाब्द 5127)

मंडल

क्या?

- भारतीय शिक्षण मंडल की सर्वाधिक महत्वपूर्ण इकाई
- शिक्षा में रुचि रखने वाले भगिनी-बंधुओं के लिए शिक्षा को समझने एवं संबंधित समस्याओं पर समाधानमूलक चर्चा हेतु एक मंच
- एक मंडल में न्यूनतम 20 सदस्य होने चहिए, जिनकी सूची बनाना अत्यावश्यक है
- मंडल संचालन हेतु न्यूनतम 4 सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य
- नियमित संचालन, सामूहिक सहभागिता, समाधानमूलक चर्चा और अभिलेखन

क्यों?

- कार्यकर्ता निर्माण एवं संगठनात्मक विकास
- निर्मित कार्यकर्ताओं के द्वारा भारतीय कार्यसंस्कृति का विकास
- 'शिक्षा में परिवर्तन' हेतु एक सशक्त माध्यम
- वैचारिक अधिष्ठान का दृढ़ीकरण
- भारतीय विमर्श को प्रस्थापित करने हेतु

कहाँ?

- शिक्षा एवं शोध संस्थानों में
- कार्यकर्ताओं के निवास स्थान पर
- किसी अन्य सुयोग्य स्थान पर

अध्ययन समूह

(युगाब्द 5127)

क्या?

- शिक्षाविदों एवं अनुभवी विषय विशेषज्ञों का मासिक एकत्रीकरण
- शिक्षा के सन्दर्भ में वरिष्ठ शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को विशिष्ट अथवा सामान्य विषयों पर रचनात्मक चर्चा हेतु एक मंच
- अनुसंधान के माध्यम से विमर्श स्थापित करने में तथा नीति-निर्माण में योगदान

कैसे?

- नियमित और निरंतर मासिक एकत्रीकरण
- समूह की चर्चा का विस्तृत अभिलेखन
- चर्चा के परिणामों के क्रियान्वयन एवं अभिलेखन हेतु 4-5 युवा शोधार्थियों का सहायक समूह

कहाँ?

- शिक्षा एवं शोध संस्थानों में
- किसी अन्य सुयोग्य स्थान पर

वार्षिक उत्सव

(युगाब्द 5127)

1. **वर्षप्रतिपदा** : चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को आयोजित किया जाता है।
2. **स्थापना दिवस** : चैत्र शुक्ल नवमी (रामनवमी) के पावन अवसर पर आयोजित किया जाता है।
3. **व्यास पूजा** : आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को आयोजित किया जाता है।
4. **भारत माता पूजन** : स्वतंत्रता दिवस अथवा गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाता है।
5. **सरस्वती पूजन** : माघ शुक्ल पंचमी (वसंत पंचमी) को आयोजित किया जाता है।
6. **मातृभाषा दिवस** : 21 फरवरी को आयोजित किया जाता है ।

कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया

(युगाब्द 5127)

1. **प्रवेश :** कार्यक्रमों में सहभागिता के माध्यम से
2. **कार्यकर्ता :** सप्ताह में एक घंटे मंडल में नियमित एवं निरंतर सहभागिता
3. **मंडल संचालन :** मंडल संयोजक की भूमिका का निर्वहन कर स्वयं के मंडल का संचालन
4. **संयोजक :** एक शैक्षणिक संस्थान का संयोजक
5. **प्रवासी कार्यकर्ता :** प्रत्येक माह में न्यूनतम दो दिनों का प्रवास
6. **अल्पकालीन विस्तारक :** एक वर्ष में न्यूनतम 15 दिनों का समय दान
7. **दीर्घकालिक विस्तारक :** न्यूनतम 2 वर्ष का समय दान
8. **वानप्रस्थि :** न्यूनतम 1 से 2 वर्ष का समय दान

(युगाब्द 5127)

सदस्यता

- व्यक्तिगत
  - वार्षिक
    - विद्यार्थी ₹ 200 /-
    - अन्य सभी ₹ 500 /-
  - पंच-वर्षीय ₹ 2000 /-
- संस्थागत (पंच-वर्षीय)
  - विद्यालय ₹ 5000 /-
  - उच्च-शिक्षा संस्थान ₹ 10,000 /-

Join BSM

(युगाब्द 5127)

भारत सदियों से अपनी अद्वितीय एवं विशिष्ट
शिक्षा प्रणाली के कारण ही विश्वगुरु के पद पर सुप्रतिष्ठित रहा है।

अतः, आप अपनी क्षमता, रुचि व गति के अनुसार अधिकाधिक
समयदान कर इस अद्वितीय एवं विशिष्ट शिक्षा प्रणाली के
पुनरुत्थान के महायज्ञ में अपनी आहुति प्रदान करें।

यही विनम्र निवेदन है।

प्रकाशन

भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं की सूची:

पत्रिका का नाम	भाषा	अवधि	स्थान
In Quest of Bharatiya Shikshan	अंग्रेजी	मासिक	मुंबई
भारतीय शिक्षण	मराठी	मासिक	मुंबई
शिक्षण समीक्षा	मराठी	द्वैमासिक	नागपुर
दर्शन	हिन्दी/अंग्रेज़ी	वार्षिक	नागपुर
प्रज्ञानम्	द्विभाषीय शोध पत्रिका (हिन्दी-अंग्रेज़ी)	अर्द्ध-वार्षिक	दिल्ली

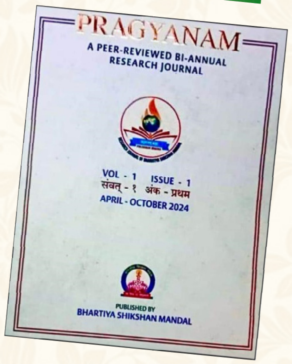

(युगाब्द 5127)

संपर्क

(युगाब्द 5127)

मुख्यालय
भारतीय शिक्षण मंडल

'शेषाद्री सदन', तुलसीबाग रोड, महल, नागपुर - 440032

[दूरभाष: 0712-2721322] [अणुडाक: bsmbharat1@gmail.com]

प्रशासनिक कार्यालय
भारतीय शिक्षण मंडल

'ऋग्वेद', ए-71, द्वितीय तल, अमृत नगर, साउथ एक्स-1, नई दिल्ली-110049

[दूरभाष: 011-41033663]

डॉ. सच्चिदानंद जोशी जी
अखिल भारतीय अध्यक्ष

प्रो. सुहास पेडनेकर जी
अखिल भारतीय कार्यकारी अध्यक्ष

प्रो. भरत शरण सिंह जी
महामंत्री

श्री शंकरानंद जी
अखिल भारतीय संगठन मंत्री

(युगाब्द 5127)

FOLLOW US

Facebook
@bsmbharat

Instagram
@bsm_bharat

X (Twitter)
@bsm_bharat

YouTube
@bsmbharat

Website :
www.bsmbharat.com

Join hands with BSM as an active member

भारतीय शिक्षण मंडल

सा विद्या या विमुक्तये

(युगाब्द 5127)

धन्यवाद